ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
उदयपुर, गुरूवार 22 मई 2025
वर्ष 2 अंक 55

12वीं का रिजल्ट जारी : कला वर्ग में 97.78, वाणिज्य में 99.07 और विज्ञान वर्ग में 98.43 फीसदी रहा परिणाम, बेटियों ने मारी बाजी

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का 12वीं कक्षा कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है. साथ ही वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का परिणाम भी घोषित कर दिया गया. कला वर्ग में 97.78 फीसदी, वाणिज्य में 99.07 फीसदी और विज्ञान वर्ग में 98.43 फीसदी परीक्षा परिणाम रहा. शिक्षा मंत्री मदन दिलावर नागौर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े. उन्होंने तीनों संकाय के टॉपर विद्यार्थियों के नाम और स्कोर भी बताए और तीनों संकायों के दो दो मेधावी छात्रों से फोन कर उन्हें बधाई दी. इस बार कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय के परिणाम में बेटियों ने बाजी मारी है.

मंत्री दिलावर मोदी की सभा से लौटते समय रुके नागौरः शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने नागौर में कहा कि यह खुशी की बात है कि हमारी बेटियां आगे बढ़ रही हैं और तीनों ही संकायों में बेटियां आगे रहीं. उन्होंने कहा कि इस बार पूरे राजस्थान का रिजल्ट शानदार रहा. शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि वे पीएम नरेन्द्र मोदी की बीकानेर की सभा में गए थे. यदि वापस अजमेर जाते, तब तक देरी हो जाती. इस कारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वे नागौर कलेक्ट्रेट से जुड़े और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं के तीनों संख्या का रिजल्ट नागौर से ही जारी किया. तीनों संकायों के परिणाम एक साथः इधर, अजमेर में बोर्ड के सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस बार भी 12वीं के तीनों संकाय कला, वाणिज्य और विज्ञान का एक साथ परिणाम जारी किया गया है. इस बार कला संकाय का 97.78 फीसदी, वाणिज्य में 99.07 फीसदी और विज्ञान संकाय में 98.43 फीसदी परिणाम रहा है. वरिष्ठ उपाध्याय का परिणाम 97.76 फीसदी रहा.इस वर्ष 8 लाख 93 हजार 616 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं. इनमें कला वर्ग में सर्वाधिक 5 लाख 87 हजार 475, वाणिज्य वर्ग में 28 हजार 250 और विज्ञान वर्ग में 2 लाख 73 हजार 984 परीक्षार्थी पंजीकृत है. इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्याय में 3 हजार 907 अभ्यर्थी पंजीकृत है. शर्मा ने बताया कि 12वीं की परीक्षाएं 6 मार्च से शुरू हुई थी और 9 अप्रैल को संपन्न हुई थी.

विज्ञान संकाय : विज्ञान वर्ग में 2 लाख 73 हजार 915 परीक्षार्थियों में से 2 लाख 72 हजार 138 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी. इनमें 1 लाख 66 हजार 42 छात्र और 1 लाख 1 हजार 822 छात्राओं ने परीक्षा दी. इनमें से छात्रों ने बाजी मारी. छात्रों का परिणाम 99.02 और छात्रों का 98.07 फीसदी परिणाम रहा. कुल 98.43 फीसदी परिणाम रहा है.

वाणिज्य वर्ग : 28 हजार 248 परीक्षार्थी पंजीकृत थे इनमें से 28 हजार 10 परीक्षार्थियों परीक्षा दी थी, जिनसे 18 हजार 445 छात्र और 9 हजार 305 छात्राएं रिक्शा में सम्मिलित हुई थीं. परिणाम पर गौर करें तो वाणिज्य वर्ग में छात्रा का परिणाम छात्रों से बेहतर रहा. छात्रा का परिणाम 98.97 फीसदी और छात्रों का 99.27 फीसदी परिणाम रहा. कुल परिणाम 99.07 फीसदी रहा है.

कला वर्ग : कला वर्ग में सर्वाधिक 5 लाख 87 हजार 444 परीक्षार्थी पंजीकृत है. इनमें 5 लाख 78 हजार 164 परीक्षा परीक्षा दी थी, जिसमें से दो लाख 67 हजार 737 छात्र और 2 लाख 97 हजार 609 छात्राए परीक्षा में सम्मिलित हुई थीं. कला वर्ग के परीक्षा परिणाम में भी छात्राओं ने बाजी मारी है. इसमें 98.42 फीसदी छात्रा और 97.09 फीसदी छात्र को उत्तीर्ण हुए है. कला वर्ग का कुल परिणाम 97.78 फीसदी रहा है.

वरिष्ठ उपाध्याय : वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा के लिए इस बार 3 हजार 907 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं. इनमें से 3 हजार 847 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी. इनमें 1 हजार 747 छात्र और 2 हजार 14 छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुई थीं. वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा में भी छात्राओं ने बाजी मारी है, जिसमें छात्रा 98.68 और 96.73 छात्रों का परिणाम रहा है. कुल परिणाम 97.76 फीसदी रहा है.

मेरिट लिस्ट नहीं जारी करता बोर्ड : राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की किसी भी परीक्षा में मेरिट लिस्ट जारी नहीं होती है, लेकिन काफी वर्षों के बाद इस परंपरा को भी टूटे हुए देखा है. शिक्षा मंत्री मदन दिलावर नागौर कलेक्ट्रेट सभागार से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े. बोर्ड का बारवीं कक्षा का परिणाम जारी होने के साथ ही शिक्षा मंत्री मदन दिलावर में तीनों संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नाम और उनके परिणाम के बारे में बताया. इस मामले में जब प्रशासक महेश चंद्र शर्मा से जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि परिणाम जारी होने के बाद पब्लिक डोमिन में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के नाम और परिणाम नजर आते हैं. बताया कि जल्दी की तस्वीर परिणाम भी जारी किया जाएगा.

ITC का चौथी तिमाही में मुनाफा 300% बढ़ाःये 19,727 करोड़ रुपए रहा, 14.25 प्रति शेयर डिविडेंड देगी कंपनी

24 न्यूज अपडेट

सिगरेट से लेकर साबुन बनाने वाली FMCG कंपनी ITC को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी में 19,727 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 300% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में यह 4,935 करोड़ रुपए रहा था।जनवरी-मार्च तिमाही में ITC के ऑपरेशन से रेवेन्यू सालाना आधार पर 0.12% बढ़कर 20,376 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी FY24 की चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 20,350 करोड़ रुपए रहा था। ITC ने आज गुरुवार (22 मई) को जनवरी-मार्च तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

नतीजों में आम आदमी के लिए क्या?

कंपनी ने हर शेयर पर 7.85 रुपए फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। इसके अलावा कंपनी 6.50 का अंतरिम लाभांश भी देगी। यानी वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी अपने निवेशकों को टोटल 14.25 प्रति शेयर डिविडेंड देगी। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है।

वक्फ कानून- सुनवाई पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखाःसिब्बल बोले- 200 साल पुराने कब्रिस्तान भी छिन जाएंगे

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद तीन मुद्दों पर अपना अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया है। इन मुद्दों कोर्ट द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को डिनोटिफाई करना, वक्फ-बाय-यूजर या वक्फ बाय डीड शामिल है। फैसला सुरक्षित रखने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने लगातार तीन दिन सुनवाई की।

CJI गवई ने कहा कि वक्फ के रजिस्ट्रेशन की जरूरत 1923 और 1954 के पूर्व कानूनों के तहत रही है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ के दर्जे को लेकर एक बार जांच शुरू हो जाए तो रिपोर्ट आने तक वक्फ का दर्जा खत्म हो जाता है। सिब्बल ये भी बोले, देश में 200 साल से भी पुराने बहुत से कब्रिस्तान हैं। 200 साल बाद सरकार कहेगी कि यह मेरी जमीन है और इस तरह कब्रिस्तान की जमीन छीनी जा सकती है।

इस पर CJI ने कहा कि जमीन का रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं कराया गया? इस पर कपिल सिब्बल ने कहा, उन्होंने (मुस्लिम समुदाय) रजिस्ट्रेशन इसलिए नहीं कराया, क्योंकि यह राज्य की जिम्मेदारी थी, अब वे (सरकार) कहते हैं कि उन्होंने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया, इसलिए यह समुदाय की गलती है। यदि आपके पास शक्ति है तो आप खुद की गलती का लाभ नहीं उठा सकते।

J&K के पूर्व राज्यपाल मलिक के खिलाफ CBI की चार्जशीटःकीरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 2200 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप, 6 अन्य लोगों के भी नाम

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक समेत 6 लोगों के खिलाफ जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला करीब 2,200 करोड़ रुपए के सिविल वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी को लेकर है। CBI ने इसी मामले को लेकर 22 फरवरी 2024 को सत्यपाल मलिक के ठिकाने पर छापा मारा था। साथ ही दिल्ली में 29 अन्य ठिकानों पर भी रेड की थी। दरअसल, सत्यपाल मलिक ने 17 अक्टूबर 2021 को कहा था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल रहते 300 करोड़ की रिश्वत ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। इसके बाद CBI ने अप्रैल 2022 में जम्मू-कश्मीर सरकार के कहने पर मामला दर्ज किया था। मलिक अगस्त 2018 से अक्टूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल थे। चार्जशीट दाखिल होने के बाद सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया पर कहा कि वो अस्पताल में भर्ती हैं और किसी से बात करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने लिखा कि उन्हें शुभचिंतकों के फोन आ रहे हैं, लेकिन वो जवाब नहीं दे पा रहे। पिछले साल CBI की रेड के बाद मलिक ने कहा था, "CBI ने मेरे घर छापा मारा, लेकिन जिन लोगों के खिलाफ मैंने भ्रष्टाचार की शिकायत की थी, उनकी जांच नहीं की गई। उन्हें मेरे पास 4-5 कुर्ता-पायजामा ही मिलेंगे। मैं किसान का बेटा हूं, डरूंगा नहीं।" सत्यपाल मलिक ने 17 अक्टूबर 2021 को राजस्थान के झुंझुनू में एक कार्यक्रम में कहा था कि उन्हें जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल रहते करोड़ों की रिश्वत ऑफर हुई थी। उस दौरान उनके पास दो फाइलें आई थीं। इनमें एक बड़े उद्योगपति और दूसरी महबूबा मुफ्ती और भाजपा की गठबंधन सरकार में मंत्री रहे एक व्यक्ति की थी। मलिक ने कहा था कि उनके सचिवों ने बताया कि इसमें घोटाला है, इसके बाद उन्होंने दोनों डील रद्द कर दी थीं।

मलिक ने ये भी कहा था कि उन्हें दोनों फाइलों के लिए 150-150 करोड़ रुपए देने का ऑफर दिया गया था। मलिक ने कहा, 'मैंने कहा था कि मैं पांच कुर्ता-पायजामे के साथ आया हूं और सिर्फ उसी के साथ यहां से चला जाऊंगा। जब CBI पूछेगी तो मैं ऑफर देने वालों के नाम भी बता दूंगा।'

सुप्रीम कोर्ट बोला- ED ने सारी हदें पार कींःतमिलनाडु शराब दुकान लाइसेंस केस में राज्य की कार्रवाई में हस्तक्षेप कर रही, यह संघीय ढांचे का उल्लंघन

तमिलनाडु शराब दुकान लाइसेंस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने सारी हदें पार कर दी हैं। जब राज्य सरकार की जांच एजेंसी इस मामले में कार्रवाई कर रही है तो ED को हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ED देश के संघीय ढांचे का उल्लंघन कर रही है। कोर्ट ने तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन (TASMAC) और तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। TASMAC पर शराब दुकान के लाइसेंस बांटने में करप्शन और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे हैं। इसमें कहा गया कि शराब दुकान के लाइसेंस बांटने में भ्रष्टाचार किया गया। ED भी इसकी जांच कर रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट में CJI बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने ED की जांच पर रोक लगा दी है। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने तो TASMAC की ओर से पेश वकील मुकुल रोहतगी, और ED की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) एसवी राजू ने दलीलें रखीं। ED ने मार्च में TASMAC मुख्यालय पर छापेमारी के बाद कहा था कि उसे एक हजार करोड़ रुपए की हेराफेरी का पता चला है। कॉर्पोरेट पोस्टिंग, ट्रांसपोर्ट और बार लाइसेंस टेंडर से जुड़ा डेटा मिला है। धोखाधड़ी करके शराब को तय कीमत से ज्यादा पर बेचने के भी सबूत हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का DMK ने स्वागत किया। कहा कि नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री (2014 में) बने हैं, तब से वे एजेंसी का इस्तेमाल गैर-भाजपा शासित राज्यों के खिलाफ कर रहे हैं।

आज सोना महंगा हुआ, चांदी की कीमत में रही गिरावटःसोना 207 बढ़कर 95,516 पर पहुंचा, चांदी 96,519 किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने के दाम में आज यानी 22 मई को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 207 बढ़कर 95,516 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 95,309 प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी आज 813 गिरकर 96,519 प्रति किलो बिक रही है। एक दिन पहले चांदी का दाम 97,332 रुपए था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

सेंसेक्स 645 अंक गिरकर 80,952 पर बंदःनिफ्टी 204 अंक लुढ़का; ऑटो, IT और बैंकिंग शेयर्स सबसे ज्यादा गिरे

पिछले हफ्ते 2,877 अंक चढ़ा सेंसेक्स

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन आज यानी गुरुवार, 22 मई को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स में 645 अंक गिरकर 80,952 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 204 अंक की गिरावट रही, ये 24,610 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट है। M&M, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व 2.5% तक गिरे हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट, एयरटेल और इंडसइंड बैंक में मामूली तेजी रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 39 गिरकर बंद हुए। NSE के ऑटो, IT, बैंकिंग और FMCG में 1.5% तक की गिरावट रही। अकेले मीडिया 1.11% ऊपर बंद हुआ।

जासूसी मामले में ज्योति की रिमांड 4 दिन बढ़ीःफिल्मी स्टाइल में कोर्ट का मेन गेट बंद कर काले शीशों वाली गाड़ी में ले गई पुलिस

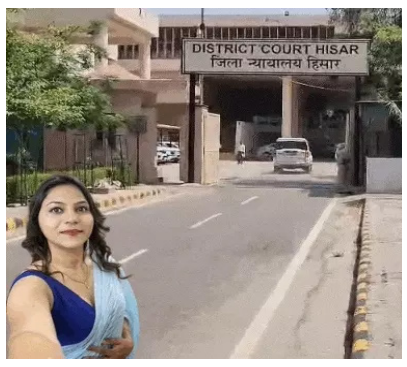

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के शक में पकड़ी गई हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को हिसार पुलिस गुरुवार सुबह साढ़े 9 बजे कोर्ट लाई। करीब डेढ़ घंटे तक उसकी रिमांड पर बहस चली। इसके बाद हिसार पुलिस को ज्योति की 4 दिन की रिमांड और मिल गई। हालांकि पुलिस ने 7 की रिमांड की मांग की थी। इस पर जज ने कहा कि 7 दिन की रिमांड किसलिए चाहिए। पुलिस ने कहा कि ज्योति ने देश में कई जगह ट्रैवल किया है, उसकी ट्रैवल हिस्ट्री निकालनी है। अभी उसके फोन और लैपटॉप से डिजिटल एविडेंस नहीं मिले हैं। इसको लेकर ज्योति से और पूछताछ की जानी है। कोर्ट ने चार ही दिन का रिमांड दिया। पेशी के बाद ज्योति को मीडिया की नजरों से बचाने के लिए पुलिस फिल्मी स्टाइल में उसे बाहर ले गई। पुलिस ने पहले काले शीशों वाली स्कॉर्पियो मंगाई, फिर कोर्ट का मेन गेट बंद करा दिया। इसके बाद ज्योति को उसमें बिठाने के बाद पुलिस वहां से रवाना हो गई। इस दौरान किसी अधिकारी ने मीडिया से बात नहीं की।

ज्योति 16 मई को गिरफ्तार हुई थी। इसके बाद 5 दिन तक रिमांड पर रहते हुए हिसार पुलिस के अलावा NIA, मिलिट्री इंटेलिजेंस, IB और अन्य खुफिया एजेंसियों ने उससे पूछताछ की है।

NIA सोर्सेज के मुताबिक, पहलगाम आतंकी हमले में ज्योति की भूमिका की जांच की जा रही है। पहलगाम हमले से पहले और उसके बाद वह किन-किन लोगों के संपर्क में रही? किस-किस से बात की? इसे लेकर उसके मोबाइल खंगाले जा रहे हैं। इसके बाद NIA उसे पहलगाम भी ले जा सकती है। यह शक इसलिए गहराया, क्योंकि पहलगाम हमले से पहले कश्मीर में ज्योति ने उन्हीं जगहों के वीडियो बनाए, जहां सेना की तैनाती या मूवमेंट नहीं थी। जांच एजेंसी इस बात की पड़ताल कर रही है कि ज्योति ने सिर्फ ट्रैवलिंग के इरादे से वीडियो बनाए या फिर उसमें पाकिस्तानी एजेंट्स के लिए कोई कोड छिपा था। इसके लिए उसके बैंक खातों में कश्मीर टूर के दौरान हुई ट्रांजैक्शन की भी जांच की जा रही है। जांच में ज्योति के 4 बैंक अकाउंट मिले हैं।

संपादकीय : स्थायित्व का आधार

सरकार का जोर सेना को युवा और ऊर्जावान बनाने पर है। साथ ही, सेना में महिलाओं की भूमिका भी बढ़ाई जा रही है महिलाएं अब रफाल विमान तक उड़ा रही हैं। लेकिन अल्पकालिक सेवा कमीशन के तहत भर्ती हुई महिला अधिकारियों को बार-बार सुप्रीम कोर्ट तक दौड़ लगानी पड़ती है । यह बात गले नहीं उतरती कि जब कोई सैन्यकर्मी, चाहे वह महिला हो पुरुष- शारीरिक-मानसिक रूप से पूरी तरह सेवाएं देने के योग्य है और सेवा के दौरान उसके कामकाज और आचरण में किसी तरह की कमी नहीं पाई गई, तो उसे लंबी अवधि का सेवा विस्तार देने से क्यों परहेज किया जाना चाहिए। अल्पकालिक सेवा कमीशन के तहत भर्ती हुई एक महिला नौसेना अधिकारी को स्थायी कमीशन न दिए जाने पर सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीर नाराजगी जाहिर की है। उस अधिकारी को स्थायी कमीशन देने का आदेश अदालत ने पहले ही दिया था, मगर उसका पालन नहीं किया गया। इसलिए भी अदालत की तल्खी बढ़ गई। महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन न दिए जाने पर लंबे समय से असंतोष है। शीर्ष अदालत ने 2020 में कहा था कि इस तरह महिला अधिकारियों को सेवा से वंचित करने से सेना का मनोबल गिरेगा तब से नौसेना, वायुसेना और थलसेना को कई मामलों में स्थायी कमीशन देने के आदेश दिए जा चुके हैं। सेना नियमों के मुताबिक, अल्पकालिक कमीशन में चयनित अधिकारियों को उनके कामकाज के प्रदर्शन के आधार पर पदोन्नति और स्थायी कमीशन देने का निर्णय किया जाता है। मगर महिला अधिकारियों के मामले में इस पर अक्सर संकुचित दृष्टिकोण ही देखा जाता है। अभी सर्वोच्च न्यायालय में उनहत्तर ऐसे ही अधिकारियों का मामला लंबित है, जिस पर अगस्त में सुनवाई होनी है। अदालत ने कहा है कि अंतिम फैसला आने तक इन अधिकारियों को सेवामुक्त न किया जाए। इस तरह स्थायी कमीशन न मिल पाने के कारण महिला अधिकारियों की तरफ से लगातार मिल रही शिकावतों के महेनजर ही नौसेना अधिकारी के मामले पर फैसला देते समय सर्वोच्च न्यायालय ने फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अब बहुत हो गया, सेना के अधिकारी अपना संकुचित नजरिया त्यागें और उदारता का परिचय दें। इस फटकार और नसीहत को सेना और सरकार कितनी गंभीरता से लेते है, देखने की बात है। यह पहला मौका नहीं है, जब महिला सेनाधिकारियों को अदालत की मार्फत अपना हक हासिल करना पड़ा है। इसके पहले लड़ाकू विमान उड़ाने से महिलाओं को बंचित रखने के नियम को भी अदालत के आदेश पर ही बदला गया था। यह थोड़ी असहज करने वाली स्थिति है कि अनुशासित और मर्यादित मानी जानी वाली भारतीय सेना में महिलाओं की क्षमताओं और योग्यता को कम करके आंका जाता है। सेना में अनेक ऐसे काम हैं, जिनमें महिलाओं ने पुरुषों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है जिस महिला नौसेना अधिकारी को स्थायी कमीशन देने से रोका गया, वह तो न्यायिक सेवा में है। चिकित्सा, कंप्यूटरीकृत सैन्य प्रणाली आदि में महिला अधिकारियों की कुशलता पर शक नहीं किया जा सकता। फिर, अनुभव बड़ी चीज होती है। जिस अधिकारी ने छह-आठ वर्षों तक सेना में काम किया है, निस्संदेह उसकी क्षमता नए भर्ती अधिकारियों की तुलना में बेहतर हो सकती है। इसलिए अगर कोई महिला अधिकारी सारे मानकों पर सेवा योग्य है, तो उसे स्थायी कमीशन देने में क्यों गुरेज होना चाहिए।

मौसम का मिजाज

दुनिया भर में बढ़ते तापमान के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं। जलवायु विशेषज्ञों की राय है कि वैश्विक तापमान को अगर हम स्थिर नहीं रख पाए, तो डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने की सीमा को पार कर जाएंगे। हकीकत यही है कि जलवायु संकट हमारी देहरी तक आ पहुंचा है। इससे निपटने के लिए कहीं कोई संजीदगी नहीं दिखाई देती। नतीजा यह कि इसका प्रतिकूल असर अब भारत सहित दुनिया भर में दिखाई देने लगा है। कोई कारगर रणनीति नहीं बनी, तो गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इससे जनहानि और स्वास्थ्य का जोखिम बढ़ गया है। फिलहाल मौसम की बदली तस्वीरें डराने लगी हैं। इसी हफ्ते जहां राजस्थान में भीषण लू से लोगों को सजग किया गया, लू तो दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत में बारिश की चेतावनी जारी की गई। लगातार बारिश से इस समय बंगलुरु बेहाल है। वहां जन-जीवन ठहर सा गया है। ऐसे में 'काउंसिल आन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर' की रपट को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इसके मुताबिक देश में गर्म दिनों की तुलना में गर्म रातों की संख्या बढ़ रही है। मुंबई, दिल्ली, भोपाल, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे घने शहरी इलाकों में गर्मी का जोखिम बढ़ना खतरे की घंटी है। इस समय देश के सत्तावन फीसद जिले जोखिम में बताए जा रहे हैं। इन जिलों में छिहत्तर फीसद आबादी रहती है। गर्म रातों की संख्या बढ़ने से बड़ी संख्या में लोगों की सेहत पर असर पड़ेगा। क्योंकि रात में तापमान अधिक रहने से शरीर को आराम नहीं मिलता। दरअसल, उन्हीं इलाकों में गर्म रातों की संख्या बढ़ी है, जहां आबादी सघन है। इससे वस्तुस्थिति को समझा जा सकता है। दरअसल, न तो हमें प्रकृति की चिंता है और न ही कार्बन उत्सर्जन रोकने की फिक्र आधुनिक जीवन शैली ने भी समस्या बढ़ाई है। यह स्थिति अकेले भारत ही नहीं, अन्य देशों में भी है। भारत सहित पूरे विश्व ने 2024 में सबसे गर्म वर्ष का सामना किया। मौसम के बदल रहे मिजाज को भांपते हुए हम जलवायु संकट के प्रति कब सजग होंगे ?

ऑनलाइन गेमिंग सट्टा गिरोह पर गोवर्धन विलास पुलिस की बड़ी कार्यवाही, BAJRANG BOOK वेबसाइट से जुड़े 4 आरोपी गिरफ्तार, मास्टरमाइंड सोनू सिंधी फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए ऑनलाइन सट्टा खेल 'BAJRANG BOOK' से जुड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने शिकारबाड़ी कॉलोनी स्थित लेक विजन अपार्टमेंट के एक फ्लैट पर दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह का मास्टरमाइंड पुनित खतुरिया उर्फ सोनू सिंधी फरार है, जिसके दुबई भागने की आशंका को देखते हुए उसके विरुद्ध लुकआउट सर्कुलर (LOC) जारी कर दिया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री योगेश गोयल ने बताया कि महानिदेशक पुलिस, राजस्थान द्वारा निर्देशित साइबर अपराध विरोधी विशेष अभियान के तहत 21 मई 2025 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गोपाल स्वरूप मेवाड़ा के निर्देशन में वृताधिकारी गिर्वा सूर्यवीर सिंह राठौड़, थानाधिकारी गोवर्धन विलास दिलीप सिंह झाला, डीओ कालूलाल व टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही की। फ्लैट में संचालित सट्टे के इस अड्डे से पुलिस ने कुलदीप सिंह, मुकुल कुमार, जयेश रेगर और नीरज सिंह को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि उक्त गिरोह BAJRANG BOOK नामक ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइट के माध्यम से क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी आदि खेलों पर सट्टा लगवाता था। इस वेबसाइट का निर्माण व संचालन पुनित खतुरिया उर्फ सोनू सिंधी द्वारा किया गया है, जो वर्तमान में दुबई से इसे संचालित कर रहा है। ग्राहक वाट्सऐप ग्रुप के जरिए जुड़ते और QR कोड के माध्यम से भुगतान कर ID प्राप्त करते थे। इसके बाद ग्राहक को रिचार्ज कर कॉइन खरीदने पड़ते, जिससे गेम में भाग लिया जा सकता था। यह रिचार्ज न्यूनतम 300 रुपये से लेकर अनलिमिटेड राशि तक होता था। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि गिरोह के मास्टरमाइंड पुनित खतुरिया द्वारा किराए के फर्जी बैंक खाते, सिम कार्ड व मोबाइल फोन उपलब्ध कराए जाते थे। सभी आर्थिक लेन-देन सीधे पुनित के पास रहते थे और सभी सदस्यों को मासिक वेतन भी उन्हीं खातों से ट्रांसफर किया जाता था। यह पूरा नेटवर्क धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर संचालित हो रहा था। पुलिस ने मौके से 3 लैपटॉप, 4 पीसी सेटअप सहित 2 सीपीयू, 17 मोबाइल फोन, 27 एटीएम कार्ड, 4 बैंक पासबुक, 8 चेकबुक, 23 सिम कार्ड, 1 वाईफाई राउटर और 40,000 नकद बरामद किए हैं। सभी सामग्री को जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम-पते इस प्रकार हैं: कुलदीप सिंह पुत्र डूंगर सिंह कुम्पावत, निवासी शिकारबाड़ी रेजिडेंसी, थाना गोवर्धन विलास, उदयपुर मुकुल कुमार पुत्र स्व. टिंकु सिंह, निवासी जमशेदपुर, जिला पूर्वी सिंहभूम, झारखंड जयेश पुत्र सुखलाल, जाति रेगर, निवासी देवपुरा, थाना सदर, राजनगर, जिला राजसमंद नीरज सिंह पुत्र शंकरलाल चौधरी, निवासी जाट मोहल्ला, थाना रेलमगरा, जिला राजसमंद थाना गोवर्धन विलास में प्रकरण संख्या 175/25 धारा 3/4 राजस्थान सार्वजनिक धूत अध्यादेश 1949 एवं धारा 318(4), 319(2), 338, 336(3), 340(2), 61(2), 112(2) बीएनएस तथा धारा 66(बी), 66(डी) आईटी एक्ट के अंतर्गत दर्ज कर मामले की अग्रिम जांच थानाधिकारी नाई द्वारा की जा रही है। पुलिस की टीमें मास्टरमाइंड पुनित खतुरिया उर्फ सोनू सिंधी की तलाश में जुटी हैं।

विद्युत चोरी के 62 प्रकरण दर्ज, 15 लाख जुर्माना, दीवान शाह कॉलोनी व खांजी पीर क्षेत्र में एवीवीएनएल की कार्यवाही

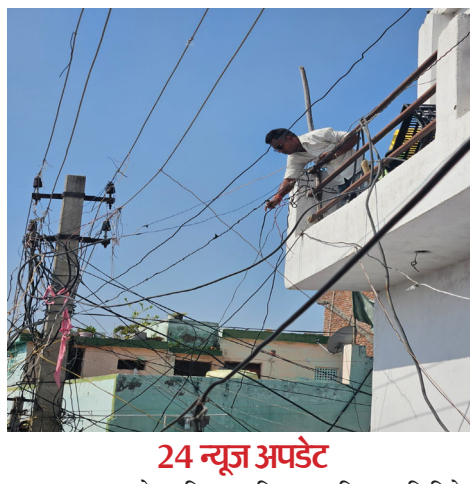

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल) उदयपुर की सतर्कता टीमों ने गुरुवार को दीवान शाह कॉलोनी एवं खांजी पीर क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाते हुए विद्युत चोरी के कुल 62 प्रकरण दर्ज किए हैं। अधीक्षण अभियंता श्री के.आर. मीना के निर्देशन में की गई इस कार्यवाही में लगभग 15 लाख रुपये का जुर्माना आरोपित किया गया है। कार्यवाही के दौरान अवैध रूप से लगाए गए बिजली कनेक्शनों की केबलों को मौके पर उतारकर जब्त कर लिया गया। अधीक्षण अभियंता श्री मीना ने बताया कि निगम द्वारा कच्ची बस्तियों एवं कमजोर आय वर्ग के लिए पहले से ही रियायती दरों पर वैध विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त, उपरोक्त क्षेत्रों में पूर्व में कई बार शिविर आयोजित कर लोगों को कनेक्शन प्रदान किए गए हैं और समय-समय पर समझाइश देकर निवासियों को वैध कनेक्शन लेने के लिए प्रेरित भी किया गया है। इसके बावजूद दीवान शाह कॉलोनी और खांजी पीर क्षेत्र में बड़ी संख्या में अवैध विद्युत कनेक्शन लेकर बिजली चोरी की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं। इन शिकायतों के आधार पर सतर्कता दल ने पुलिस प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से संयुक्त कार्यवाही करते हुए सघन निरीक्षण किया और आवश्यक कानूनी कार्यवाही की। अधीक्षण अभियंता मीना ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की कार्यवाहियाँ आगे भी जारी रहेंगी, विशेषकर उन उपभोक्ताओं के विरुद्ध, जिनके पास मीटर तो हैं, लेकिन उन्होंने अतिरिक्त उपकरण अवैध रूप से जोड़ रखे हैं। इस मुहिम का उद्देश्य न केवल बिजली चोरी को रोकना है, बल्कि लाइन हानियों (छीजत) में कमी लाना भी है। इस कार्यवाही में एवीवीएनएल की सतर्कता टीम से सहायक अभियंता लालूराम डांगी, जिशान अली सैयद, मनीष चंद्र राय, रामकेश मीना तथा पावर हाउस प्रथम की टीम शामिल रही। कार्यवाही के दौरान बिजली चोरी निरोधक थाने का जाब्ता भी उपस्थित रहा।

बुजुर्ग महिला से गहने लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, पांच पुरानी चोरियों का भी हुआ पर्दाफाश

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। कुराबड़ थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग महिला से रात्रि में गहने लूटने की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में जिले और सलूम्बर क्षेत्र में की गई पांच अन्य वारदातों का भी खुलासा हुआ है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल और एक अन्य मोटरसाइकिल का इंजन भी बरामद किया है। एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। घटना 5 मई 2025 की रात की है, जब कुराबड़ थाना क्षेत्र के गांव बंगला की ढाणी में सो रही 58 वर्षीय महिला शांतिबाई पत्नी भेरूलाल रेबारी के कानों से सोने के कर्णफूल और डोडी जबरन तोड़कर लूट लिए गए थे। इस पर कुराबड़ थाने में एफआईआर संख्या 75/2025 भारतीय न्याय संहिता की धारा 309 (6) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा व गिर्वा के पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह राठौड़ के पर्यवेक्षण में थानाधिकारी प्रभुलाल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने आसूचना व मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान करते हुए बंशीलाल उर्फ बन्टी (27 वर्ष), निवासी बनकड़ा थाना कुराबड़, और प्रकाश उर्फ पिंटू उर्फ आतंक (30 वर्ष), निवासी डांग फला उमरड़ा हाल डेढ़किया थाना हिरणमगरी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच में दोनों आरोपी लूट की वारदात में संलिप्त पाए गए। इनके अलावा महेश पिता बाबूलाल उर्फ दलपत मीणा, निवासी मानपुरा भी इस मामले में शामिल था, जो अभी फरार है। प्रकाश उर्फ आतंक के खिलाफ पूर्व में चोरी और नकबजनी के कुल 9 प्रकरण दर्ज हैं और वह थाना हिरणमगरी का हिस्ट्रीशीटर है, जबकि बंशीलाल का कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। पुलिस ने इनके पास से एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और एक अन्य बाइक का इंजन बरामद किया है। आरोपियों ने पूछताछ में यह भी कबूला कि वे पहले दातीसर खेड़ी स्थित सर्वेश्वर महादेव मंदिर की दानपेटी तोड़ने का प्रयास कर चुके हैं। साथ ही, प्रतापनगर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर से एक स्प्लेंडर बाइक चुराई, देबारी क्षेत्र में एक सुनसान नए मकान का ताला तोड़कर चोरी की और जिंक स्मेल्टर क्षेत्र में एक अन्य सुन मकान से रात्रिकालीन चोरी को अंजाम दिया। इसके अलावा, सलूम्बर जिले के गिंगला थाना क्षेत्र के उथरदा गांव से दो पानी की मोटरें भी चोरी की थीं। कार्रवाई में प्रभुलाल (थानाधिकारी कुराबड़), रामलाल (सहायक उप निरीक्षक), जगरालाल, सुखदेव (सहायक उप निरीक्षक), हेड कांस्टेबल प्रकाश चंद्र (क्रमांक 517), कांस्टेबल मनोज कुमार (3236), राजेंद्र कुमार (2997), भूराराम (3108), मुकेश कुमार (3178), प्रदीप कुमार (2758) और विक्रम सिंह (348) शामिल रहे।

पहलवान कृष्णा ने राज्य स्तरीय सब जूनियर कुश्ती में जीता रजत पदक

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। राजस्थान कुश्ती संघ के तत्वावधान में बारा कुश्ती संघ द्वारा 20 से 22 मई 2025 तक आयोजित राज्य स्तरीय सब जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में लक्ष्मण उस्ताद अर्जुन उस्ताद अखाड़े के पहलवान कृष्णा चौहान ने 51 किलो वजन वर्ग फ्री स्टाइल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया। अखाड़े के संचालक हरीश राजोरा ने बताया कि महेंद्र राजोरा, रवि चौहान और अजय मोदी द्वारा पहलवान कृष्णा को नियमित रूप से दोनों समय प्रशिक्षण दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप यह महत्वपूर्ण उपलब्धि उदयपुर को मिली। इस अवसर पर सुधीर बक्षी, आर. के. धायभाई, मांगीलाल कटारिया, शकील हुसैन, दीपक राजोरा, नरेश पाल सिंह, राजेंद्र सिंह भाटी, भारत राजोरा, धर्मेंद्र राजोरा, जगदीश जलानिया, हिमांशु राजोरा (खेल अधिकारी), गौरी शंकर वसीटा, यशवंत चौधरी, देवेंद्र साहू, पहलाद चौहान, संजीव मलिक, प्रकाश राजोरा, भेरू सिंह रावत, गिरीश भारती, कौशल नागदा, विवेक नागदा, मनमोहन जैन, मोहनिस राजोरा, चांदनी गोड, जगदीश सेन, विवेक साहू, मानसी बागड़ी (NIS कोच), रफीक मोहम्मद, अहद अहमद, करण खोखावत, आकाश गायरी, रणजीत सरदार, भावेश चौहान, देवव्रत सिंह, पर्वत सिंह, नरेश कुमावत, प्रियांशी बागड़ी, दक्ष पाल सिंह, आंचल, वंशिका कलाल सहित अनेक खेलप्रेमियों ने पहलवान कृष्णा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। जानकारी अखाड़े के संचालक हरीश राजोरा द्वारा दी गई।

बांद्रा टर्मिनस से बीकानेर के लिए नई साप्ताहिक सुपरफास्ट रेल सेवा शुरू, 26 मई से होगा संचालन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, जयपुर। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस–बीकानेर–बांद्रा टर्मिनस के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट रेल सेवा की शुरुआत की जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण ने यह जानकारी दी। गाड़ी संख्या 21903 बांद्रा टर्मिनस–बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस 26 मई 2025 से प्रत्येक सोमवार को रात्रि 11:25 बजे बांद्रा टर्मिनस से रवाना होकर अगले दिन मंगलवार को शाम 8:40 बजे बीकानेर पहुंचेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 21904 बीकानेर–बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस 28 मई 2025 से प्रत्येक बुधवार को सुबह 8:50 बजे बीकानेर से प्रस्थान कर अगले दिन गुरुवार को सुबह 6:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़, जोधपुर, मेडता रोड, नागौर, नोखा और देशनोक स्टेशनों पर ठहरेगी। साप्ताहिक सुपरफास्ट रेलसेवा में कुल 22 डिब्बे होंगे, जिनमें 02 सेकंड एसी, 18 थर्ड एसी इकोनॉमी कोच, और 02 पॉवर कार शामिल हैं।

हल्दीघाटी की माटी के पूजन के साथ शुरू हुआ 485वीं महाराणा प्रताप जयंती का 7 दिवसीय आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 485वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित सप्त दिवसीय कार्यक्रमों की भव्य शुरुआत आज बलीचा गांव स्थित चेतक समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना से हुई। यह आयोजन मेवाड़ क्षत्रिय महासभा के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हो रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत चंद्र विजय सेवा संस्थान की संस्थापिका रीना यदुवंशी, राष्ट्रीय शिव दल के मुकुंद श्रीमाली, ग्राम पुजारी भंवरपुरी गोस्वामी एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति में चेतक की समाधि पर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। इसके पश्चात हल्दीघाटी की पावन माटी का मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया गया। इस पवित्र माटी को शोभायात्रा रूप में गांव में घुमाया गया, जिसे आगामी सभी कार्यक्रमों में तिलक के रूप में प्रयोग किया जाएगा। मेवाड़ क्षत्रिय महासभा के प्रमुख पदाधिकारी राम सिंह खेड़ा, कुंदन सिंह मुरोली, किशन सिंह देवड़ा, सप्त दिवसीय कार्यक्रम संयोजक कमलेंद्र सिंह पंवार, देवेंद्र सिंह चुंडावत, वीरेंद्र सिंह यदुवंशी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। आयोजन समिति के अनुसार, आगामी सात दिनों तक विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से महाराणा प्रताप के जीवन, संघर्ष और शौर्य की गाथा जन-जन तक पहुँचाई जाएगी।

जानलेवा हमला, तीन दोषियों को पांच-पांच साल की जेल

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा की अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायालय के कोर्ट संख्या दो ने हत्या के प्रयास के मामले में एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मामले में 3 को दोषी मानते हुए पांच-पांच साल की सजा ओर 5-5 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है।

अपर लोक अभियोजक राजेंद्र कुमार गुर्जर ने बताया कि 22 जून 2014 को पंकज साल्वी ने सुभाष नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि मेवाड़ हॉस्पिटल के बाहर जाम और भीड़ थी, जिसमें शामिल जगदीश, बहादुर, मोटू सिंह गुरु व संजू झगड़ा कर पत्थर फेंक रहे थे और हमला भी कर रहे थे।

आरोपियों ने दो लोगों पर किया था हमला

इस दौरान वहां खड़े पवन और राधेश्याम के सिर पर आरोपितों ने लाठियां से हमला कर दिया, जिसमें पवन का सिर फट गया, हमलावरों ने उसकी बाइक भी तोड़ दी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश से जेल भिजवा दिया। जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट पेश की। न्यायालय से जमानत के बाद दो आरोपी गुरु और संजू फरार हैं।

कोर्ट में 10 गवाह और 21 डॉक्युमेंट्स पेश किए

अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट में 10 गवाह और 21 डॉक्युमेंट्स पेश किए गए। न्यायालय ने 3 आरोपियों जगदीश बंजारा, बहादुर बंजारा और मोटू सिंह बंजारा को 5-5 साल की सजा और पांच-पांच हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है।

जैसलमेर में थाना सांगड़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई : पवन ऊर्जा संयंत्रों के स्टोर में चोरी की वारदात का खुलासा, 05 आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 22 मई। जैसलमेर जिले की थाना सांगड़ पुलिस ने ऑपरेशन खुलासा के तहत पवन ऊर्जा संयंत्रों के स्टोर में चोरी की वारदात का खुलासा कर 05 आरोपियों सुरेश कुमार पुत्र भीमाराम भील (23) निवासी छोड़, थाना सांगड, नरपत राम पुत्र आत्माराम भील (28), गणपत राम भील पुत्र बिरबल राम (23) व ठाकरा राम भील पुत्र हाकम राम (25) निवासी गजसिंह का गांव थाना झिझनियाली एवं चन्दप्रकाश मेघवाल पुत्र जसवंता राम (22) निवासी भैलाणी थाना सांगड को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक जैसलमेर सुधीर चौधरी ने बताया कि 17 मई को सुजलॉन ग्लोबल सर्विस के सुपरवाइजर नेपाल सिंह ने पुलिस थाना सांगड़ पर रिपोर्ट दी थी कि इनकी कम्पनी द्वारा मोडा गणेशपुरा व सिरुवा गांव की सरहद में विद्युत संयत्र स्थापित किये हुए है। इन विद्युत संयंत्रों का रखरखाव मोडा गणेशपुरा के पास बने सीएमएस ऑफिस से होता है। कल रात 8.30 बजे इस स्टोर में एक सफेद रंग की बोलेरो कैम्पर गाड़ी में सवार बदमाश घुसे और स्टोर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर रखी हुई एल्युमिनियम की केबल, पॉवर बैटरी, इन्डेक्शन व अन्य सामान चोरी कर ले गए हैं। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

पवन ऊर्जा संयंत्रों के स्टोर से चोरी की वारदात की गंभीरता को देखते हुए एसपी चौधरी के आदेशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कैलाशदान जुगतावत के निर्देशन व सीओ रूपसिंह ईन्दा के सुपरविजन एवं एसएचओ सांगड बाबूराम के नेतृत्व में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया।

गठित टीमों द्वारा आसूचना संकलित कर तकनीकी सहयोग से त्वरित कार्रवाई कर ऑपरेशन खुलासा के तहत पवन ऊर्जा संयंत्रों के स्टोर से चोरी की वारदात का खुलासा कर आरोपों सुरेश कुमार भील, नरपत राम भील, चन्दप्रकाश मेघवाल, गणपत राम भील व ठाकराराम भील को दस्तयाब कर बाद पूछताछ गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त कर विस्तृत पूछताछ व अनुसंधान जारी हैं।

300 किलो गांजा तस्करों को पकड़ा:ट्रक में बना रखा था केबिन, एनसीबी जयपुर-जोधपुर की टोंक में संयुक्त कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) राजस्थान की ओर से "नशा मुक्त भारत" अभियान के तहत जयपुर और जोधपुर की संयुक्त टीमों ने टोंक में कार्रवाई करते हुए करीब 300 किलो गांजा पकड़ा है। गोपनीय सूचना के आधार पर एनसीबी की संयुक्त टीम ने 19-20 मई की रात को टोंक के सोनवा टोल प्लाजा पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

एनसीबी के जोनल निदेशक (जोधपुर-जयपुर) घनश्याम सोनी (आईआरएस) ने बताया- जोधपुर एनसीबी के पास महत्वपूर्ण इनपुट था। उसी आधार पर एनसीबी की टेक्निकल सर्विलांस यूनिट लगातार उस पर काम कर रही थी। इसी में टीम को पुख्ता जानकारी मिली, तब संयुक्त टीम ने टोंक के सोनवा टोल प्लाजा पर एक संदिग्ध ट्रक कंटेनर को रुकवाया। जब इसकी बारीकी से तलाशी ली गई, तो उसमें एक विशेष रूप से निर्मित छुपा हुआ कक्ष मिला। जिसमें 290 पैकेटों में कुल 296.204 किलोग्राम गांजा छुपाकर रखा गया था। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित बाजार कीमत 1.48 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

कार में सवार राहुल (36) पुत्र राम बाबू, उसका छोटा भाई पारूल (32) और मां ललिता देवी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पारूल कार ड्राइव कर रहा था।

राहुल की पत्नी विद्या देवी (29), चार साल का बेटा सात्विक उर्फ कान्हा और रणजीत गंभीर घायल हो गए। उनका इलाज निम्स हॉस्पिटल में चल रहा है। राहुल और पारूल दोनों बिजनेसमैन थे।

तीन तस्कर गिरफ्तार, नेटवर्क की जांच जारी

कार्रवाई के दौरान एनसीबी की टीम ने ट्रक के चालक और सह-चालक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा, नशीले पदार्थों का प्राप्तकर्ता को भी धर दबोचा। सोनी के अनुसार इस ऑपरेशन में टोंक और सीकर जिलों के पुलिस अधीक्षकों ने भी अहम भूमिका निभाई। अब गिरफ्त में आए तीनों बदमाशों से तस्करी के इस नेटवर्क की गहराई तक जांच कर गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बिना पहचान बताए दे सकते हैं तस्करों की सूचना

एनसीबी के जोनल निदेशक सोनी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नशे की प्रवृत्ति को जड़ से समाप्त करने के लिए एनसीबी का सहयोग करें। यदि किसी के पास नशीले पदार्थों से जुड़ी कोई सूचना हो, तो वह MANAS पोर्टल या 1933 हेल्पलाइन नंबर पर गुप्त रूप से जानकारी दे सकता है। सूचनाकर्ताओं की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और उन्हें उचित इनाम भी दिया जाएगा।

जयपुर में 141 नई ग्राम पंचायतें और 4 पंचायत-समितियां बनाई:ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन का काम पूरा; गोविंदगढ़ सबसे बड़ी और तूंगा सबसे छोटी पंचायत समिति

24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों के पुनर्गठन का काम चल रहा है। जयपुर में इसका काफी काम पूरा हो गया है। जयपुर जिला प्रशासन ने पुनर्गठन का काम पूरा करके और आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद फाइनल प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भिजवाया है। सरकार अगर इस प्रस्ताव को बिना किसी संशोधन के पास करती है तो आने वाले समय में जयपुर जिले में 4 नई पंचायत समितियां और 141 ग्राम पंचायतें देखने को मिलेगी।

जिला प्रशासन की ओर से तैयार प्रस्ताव के तहत पुनर्गठन और नवसृजन के बाद जयपुर जिले में अब 19 पंचायत समितियों के स्थान पर 23 पंचायत समितियां बनाई है। नई बनाई गई 4 पंचायत समितियों में रामपुरा डाबड़ी, चौमूं, अमरसर और बांसखो नाम से है।

इसी तरह जयपुर जिले में पुनर्गठन से पहले ग्राम पंचायतों की संख्या 466 थी, जिसमें से 9 ग्राम पंचायतों को खत्म किया गया। जबकि 141 नई ग्राम पंचायतें बनाई गई। इसके बाद अब जयपुर में ग्राम पंचायतों की संख्या बढ़कर 598 हो गई।

जमवारामगढ़ बनेगी सबसे बड़ी पंचायत समिति

पुनर्गठन के बाद अब स्थिति देखें तो जयपुर में जमवारामगढ़ सबसे बड़ी पंचायत समिति बन सकती है। इस पंचायत समिति में कुल 40 ग्राम पंचायत हो गई। वहीं, सबसे छोटी पंचायत समिति तूंगा को बनाया है, जहां 17 ग्राम पंचायतें शामिल की गई है। तूंगा और बस्सी पंचायत समितियों को तोड़कर नई बांसखो पंचायत समिति का गठन किया है, जिसके बाद तूंगा सबसे छोटी पंचायत समिति बनी।

पुनर्गठन से पहले जयपुर में गोविंदगढ़ पंचायत समिति सबसे बड़ी थी, जिसमें कुल 47 ग्राम पंचायतें थी। लेकिन पुनर्गठन के बाद गोविंद को तोड़कर उसमें से चौंमू अलग से पंचायत समिति बनाई है। इस तरह इन दोनों ग्राम पंचायतों में अब कुल 61 (चौमूं में 34 और गोविंदगढ़ में 27) ग्राम पंचायत हो गई है। वहीं पुनर्गठन से पहले झोटवाड़ा पंचायत समिति सबसे छोटी थी, जिसमें कुल 16 ग्राम पंचायतें शामिल थी।

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर भागा आरोपी गिरफ्तार:पुलिस से बचने के लिए अहमदाबाद और बेंगलुरु गया, जयपुर से पकड़ा गया

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर पुलिस ने प्रॉपर्टी व्यवसायी की हत्या के फरार आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पर 10 हजार का इनाम घोषित था। जोधपुर पुलिस जिला पश्चिम के टॉप-10 वांछितों में शामिल है। कुड़ी भगतासनी थाना अधिकारी हमीर सिंह भाटी ने बताया- आरोपी कानाराम को जयपुर से पकड़ा है। वह प्रॉपर्टी व्यवसायी चंदन सिंह की मार्च में हत्या कर भागा था। आरोपी जयपुर से होते हुए अहमदाबाद गया। उसके बाद बेंगलुरु चला गया। बेंगलुरु में 8-10 दिन रहने के बाद जयपुर आ गया और मजदूरी करने लग गया। पुलिस को इस बारे में भनक लगी तो टीम गठित कर जयपुर से दबोचा।

इनकी हो चुकी गिरफ्तारी

वारदात के 24 घंटे के भीतर ही पुलिस ने घटना में शामिल आरोपी रूपेश सैन, पारस सैन, अर्जन चौधरी व प्रतापराम को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद मुख्य आरोपी मुकेश हुड्डा व अशोक चौधरी, गंगाराम को गिरफ्तार किया गया था। अब कानाराम जाट को जयपुर से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया है।

इंश्योरेंस के 10 लाख के लिए पत्नी की हत्या की:मेडिकल कारोबारी से 6 महीने पहले हुई थी शादी, पत्थर से सिर कुचला; एक्सीडेंट की कहानी बनाई

24 न्यूज अपडेट

झुंझुनूं में 10 लाख रुपए के इंश्योरेंस के लिए पति ने पत्नी की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। हत्या को हादसे का रूप देकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। हालांकि पुलिस जांच में राज खुल गया। पुलिस ने पति और 4 दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला नवलगढ़ थाना इलाके के कारी गांव का है।

डीएसपी राजवीर सिंह ने बताया- 12 मई की रात 1 बजे थाने में सूचना मिली कि बड़वासी गांव के जोहड़ के पास बाइक फिसलने से महिला कृष्णा सैनी (35) की मौत हो गई। बाइक कृष्णा का पति सहीराम सैनी (47) चला रहा था। हादसे में वह भी घायल हुआ।

13 मई को थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया

13 मई को सहीराम ने थाने पहुंचकर पत्नी की मौत की जानकारी दी थी। पुलिस को सहीराम ने बताया कि वह पत्नी के साथ बाइक से जयपुर गया था। लौटते वक्त देर रात बाइक को पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी की मौत हो गई।

घटनास्थल देखने के बाद पुलिस को पति पर शक हुआ

डीएसपी राजवीर सिंह ने बताया- पुलिस ने घटनास्थल देखा। कृष्णा के शव की जांच की। बाइक की हालत देखी। सभी बातें सहीराम के बयान से मैच नहीं कर रही थी। हादसे में कृष्णा का सिर बुरी तरह कुचल गया था। घटनास्थल पर ऐसे सबूत नहीं मिले, जिससे यह तय किया जाता कि महिला का सिर हादसे में किसी चीज से टकराया है। सहीराम को मामूली चोटें लगी थी। ऐसे में सहीराम पर शक पैदा हुआ।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में महिला के शरीर पर चोट के निशान मिले

डीएसपी ने बताया- पुलिस ने सड़क हादसे के एंगल से मामले की जांच शुरू की। इस बीच पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया कि कृष्णा का सिर हादसे के कारण नहीं कुचला गया था। उसके शरीर पर मारपीट की चोटों के भी निशान थे। पुलिस ने माना कि महिला की मौत दुर्घटना के कारण नहीं, बल्कि साजिश के तहत हुई है।

इसके बाद सहीराम को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई। उसने कबूल किया कि 4 दोस्तों के साथ मिलकर उनसे पत्नी का मर्डर कर दिया। वह 10 लाख रुपए के इंश्योरेंस के पैसे लेना चाहता था।

पहली पत्नी की मौत, 6 महीने पहले ही कृष्णा से शादी की थी

डीएसपी राजवीर सिंह ने बताया- सहीराम की नवलगढ़ के भगेरा गांव में मेडिकल शॉप है। उसकी पहली पत्नी की मौत बीमारी के कारण हो गई थी। इसके बाद 6 महीने पहले 12 नवंबर 2024 में ही उसने सीकर के खंडेला निवासी कृष्णा से दूसरी शादी की थी।

इसी साल अप्रैल महीने में उसने 10 लाख का गोल्ड लोन लिया और 10 लाख रुपए का पत्नी का एक्सीडेंटल बीमा कराया था। वह अप्रैल से ही पत्नी का मर्डर करने की फिराक में था। इस दौरान नवलगढ़, झुंझुनूं निवासी रिश्तेदार मुकेश कुमावत, भगेरा, नवलगढ़ निवासी दोस्त दोस्त सचिन, प्रदीप सिंह और मध्यप्रदेश निवासी अमृत उर्फ रामसिंह को उसने साजिश में शामिल किया।

प्रतापगढ़ पुलिस की कार्रवाई : हत्या की घटना का खुलासा कर एक आरोपी को किया गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 22 मई। मध्य प्रदेश के मंदसौर के रहने वाले युवक की हत्या के मामले का खुलासा कर प्रतापगढ़ थाना पुलिस ने आरोपी मांगे राम जाट पुत्र करतार सिह (38) निवासी आजाद नगर जिला हिसार हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया है। 6 महीने पहले मृतक के भाई ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस हत्या के कारणों के संबंध में आरोपी से गहनता से पूछताछ कर रही है।

पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल ने बताया कि 27 अप्रैल, 2024 को मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी निवासी दिलखुश नायक पुत्र कैलाश ने थाना प्रतापगढ़ पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका भाई आकाश नायक तीन महीने पहले सितंबर में कच्ची बस्ती प्रतापगढ़ निवासी रानू डिंडोर पुत्री पन्नालाल के यहां रहने की कह कर गया था। 15 अक्टूबर को अंतिम बार उसका कॉल आया, उसके बाद ना तो कॉल आया और ना ही कोई खबर मिली।

15 नवम्बर को रानू ने व्हाट्सएप कॉल पर बताया कि 22 अक्टूबर को आकाश हिसार जाने की कह कर गया था। 23 एवं 24 अक्टूबर को उसकी आकाश से बात हुई थी, तब उसने यह कहा था कि वह हिसार पहुँच गया है उसके बाद कोई फोन नहीं आया। रिपोर्ट पर थाना प्रतापगढ पर एमपीआर दर्ज की जाकर गुमशुदा आकाश नायक की तलाश शुरू की गई।

घर से करीब 8 महीनों से लापता आकाश के मामले को गम्भीरता से लेते हुए एसपी बंसल द्वारा लापता की तलाश ले लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परबत सिंह व सीओ गजेन्द्र सिंह राव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी लक्ष्मण लाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा लापता आकाश की तलाश के लिए आसूचना एवं तकनीकी साक्ष्य प्राप्त किये गये।

आकाश नायक के परिजनों व मित्रो से गहन पुछताछ की गयी। तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करने पर यह पता चला कि गुम होने से ठीक पहले आकाश हिसार निवासी मांगे राम मलिक नाम के व्यक्ति के निरन्तर संम्पर्क में था तथा उसकी मोबाईल की लास्ट लोकेशन भी हिसार की आ रही थी। इस पर पुलिस टीम को हिसार गई टीम संदिग्ध मांगे राम को साथ लेकर प्रतापगढ पहुँचे।

जिससे गहन पुछताछ की गई तो आरोपी मांगे राम ने बताया कि योजनाबद्ध तरीके से प्रतापगढ से हिसार बुलाकर आकाश के सिर में पीछे से रॉड से वार कर उसे नहर के बहते पानी मे फेंक दिया। आरोपो के बयानों के हत्या व सबूत मिटाने के मामले में प्रकरण दर्ज कर अभियुक्त मांगेराम को गिरफ्तार कर घटना के कारणों के संबंध मे पूछताछ की जा रही है।

इस कार्रवाई में थाना प्रतापगढ़ से उप निरीक्षक लक्ष्मण लाल, हेड कांस्टेबल कृष्ण लाल, कांस्टेबल जोगा राम, मनोज, हरिराम, मुकेश एवं साइबर सेल से अरविंद सिंह एवं पंकज पाटीदार शामिल थे।

कैब ड्राईवर ने दिखाई ईमानदारी 1.5 लाख रूपये केश व ज्वैलरी से भरा बैग लौटाया

24 न्यूज अपडेट

21 मई की शाम श्रीमती वंदना शर्मा जो दूरदर्शन में कार्यरत है। मानसरोवर से त्रिवेणी चौराहा जाने के लिए कैब बुक किया। घर आने पर ज्ञात हुआ कि उनका बैग गाड़ी में रह गया और ड्राइवर श्री पुष्पेन्द्र कुमार से संपर्क नहीं हो रहा। अगले दिन दिनांक 22 मई, 2025 को श्रीमती वंदना शर्मा ने श्री पंकज चौधरी, आईपीएस को संपर्क कर व्यथा बताई। इसके उपरांत आगे की कार्यवाई के लिए महेश नगर पुलिस थाने को मदद करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस थाने की कार्यवाई से सम्बन्धित कैब ड्राईवर श्री पुष्पेन्द्र कुमार से संपर्क हुआ और पर्स व ज्वैलरी सकुशल प्राप्त हुई। परिवादियां ने महेश नगर पुलिस थाने के पुलिसकर्मियों व कैब ड्राईवर दोनों का आभार व्यक्त किया।

अजमेर दरगाह क्षेत्र में रह रहीं तीन बांग्लादेशी महिलाएं पकड़ी गईं, फर्जी दस्तावेजों से छुपा रही थीं पहचान; अब तक 41 डिटेन

24 न्यूज अपडेट

अजमेर। जिला पुलिस और सीआईडी जोन की संयुक्त कार्रवाई में अजमेर के दरगाह क्षेत्र स्थित सिलावट मोहल्ला से तीन बांग्लादेशी महिलाओं को डिटेन किया गया है। ये महिलाएं वर्षों से इलाके में पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर की निवासी बताकर रह रही थीं, लेकिन जांच में इनके पहचान पत्र व दस्तावेज फर्जी पाए गए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि पकड़ी गई महिलाएं—पन्ना बेगम उर्फ अमीन पुत्री मोहम्मद हैदर, समीर और साहनी उर्फ समीना उर्फ रिहाना—बांग्लादेश की सीमा से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई थीं। वे बांग्लादेश के जुरेंन तुला बगीचा, डाकघर फरीदाबाद, श्याम्पुर, ढाका साउथ सिटी कॉरपोरेशन क्षेत्र की मूल निवासी हैं। बताया गया कि ये महिलाएं बांग्लादेश-भारत सीमा के बेनापोल और हिल्ली बॉर्डर से एजेंटों की मदद से चोरी-छिपे भारत में दाखिल हुईं और मेदिनीपुर सहित कई शहरों में रहते हुए पिछले दो वर्षों से अजमेर के दरगाह क्षेत्र में पहचान छिपाकर रह रही थीं। पुलिस ने तीनों महिलाओं को अलवर स्थित डिटेंशन सेंटर भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि इसी सप्ताह मंगलवार को पुलिस ने रूपनगढ़ क्षेत्र से भी तीन बांग्लादेशी महिलाओं को पकड़ा था जो ग्रामीण युवकों से विवाह कर वहीं रह रही थीं। अब तक जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध चल रहे अभियान के तहत कुल 41 लोगों को डिटेन किया जा चुका है, जिनमें 8 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस और खुफिया एजेंसियां इस कार्रवाई को लगातार आगे बढ़ा रही हैं।

"करंटवाली" हो गई उदयपुर-हिम्मतनगर रेल लाइन, मगर दक्षिण का सपना अब भी अधूरा, जागे जनता-जर्नादन!!! जनप्रतिनिधियों को दौड़ाओ, कैम्पेन चलाओ, हाथ से निकल न जाए मौका

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। राजस्थान में रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई ऊंचाई देते हुए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उदयपुर-हिम्मतनगर रेल लाइन विद्युतीकरण राष्ट्र को समर्पित कर दिया। इसके साथ ही इतिहास का नया अध्याय शुरू हो गया। अब उदयपुर से हिम्मतनगर तक की लाइन डीजल की जगह करंटवाली हो गई है। इसके मायने ये हुए कि अब ज्यादा तेजी से और ज्यादा संख्या में रेलगाड़ियां दौड़ सकती हैं। जिन लोगों के काले बाल उदयपुर में दक्षिण से रेलगाड़ियां अहमदाबाद के रास्ते आने का ख्वाब संजोते हुए सफेद हो गए हैं उनका सपना अब सच के करीब आ गया है। लेकिन इसे पूरा होने में अभी वक्त लगेगा। आज पीएम मोदी की ओर से उद्घाटन के बाद हिम्मतनगर तक की लाइन अब रेलवे को समर्पित कर दी गई है। अब इस लाइन पर कोई काम बाकी नहीं है। आज से ही यह पूरी की पूरी लाइन डीजल इंजन से मुक्त हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के बीकानेर से वर्चुअल माध्यम से उदयपुर-हिम्मतनगर रेल लाइन के विद्युतीकरण परियोजना को राष्ट्र को समर्पित किया। परियोजना की कुल लंबाई 210 किलोमीटर है और यह राजस्थान के उदयपुर और डूंगरपुर जिलों से गुजरते हुए गुजरात के अरावली और साबरकांठा जिलों को जोड़ती है। परियोजना की अनुमानित लागत 194 करोड़ है। यह विद्युतीकरण परियोजना भारतीय रेलवे के शत प्रतिशत विद्युतीकरण लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आपको बता दें कि अभी इस लाइन पर दो पार्ट में काम हो रहा था। पश्चिम रेलवे व उप. रेलवे की ओर से काम किया जा रहा था। अब दोनों ने अपना काम समाप्त कर दिया है। रेलवे के पजेशन में आने के बाद अब वंदेभारत व सुपरफास्ट गाड़ियों के मिलने की बात कही जा रही है मगर यह सब रेलवे का ही डिसीजन पावर होगा।

नेताओं को जगाओ, बार-बार जगाओ, तभी मिलेगी नई रेलगाड़ियां

उदयपुर से अहमदाबाद का रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन वर्क पूरा चुका है। अब जो सबसे अहम सवाल है कि क्या अब बिना किसी बाधा के अहमदाबाद तक पहुंचा जा सकता है तो अब भी इसका उत्तर होगा नहीं। क्योंकि असारवा से अहमदाबाद का पांच किलोमीटर का छोटा सा टुकड़ा अब भी कनेक्टेड तो है मगर वह हमारे लिए उपलब्ध नहीं है। वहां पर उसी तरह से काम चल रहा है जैसे कि अभी उदयपुर सहित अन्य स्टैशनों पर बडे पैमाने पर री डवलपमेंट का काम चल रहा है। अब आते हैं तकनीकी पहलुओं पर तो विशेषज्ञों ने बताया कि अभी असारवा में प्लेटफार्म नंबर 6 से 11 तक काम चल रहा है। जब तक वह पूरा नहीं हो जाता व उसके बाद नेता नगरी उसका उद्घाटन नहीं करवा देती तब तक हमें दक्षिण की गाड़ियों का लाभ नहीं मिल पाएगा। अभी प्लेटफार्म संख्या चार तक जो गाडियों की अवाजाही हो रही है उसमें गाडियां आबूरोड पालनपुरा के रास्ते से निकल रही है। उनको बाइपास किया जा रहा है ऐसे में हमारे लिए जगह नहीं है। आपको बता दें कि इसी सप्ताह में अहमदाबाद से एक अधिकारी उदयपुर आए थे जिन्होंने भी यही बयान दिया था कि सिविल वर्क पूरा होने के बाद ही नई गाडियां एक्सपेक्टेड की जा सकती है। क्योंकि अभी असारवा परयात्री सुविधा नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे में अब जनता को यह काम करना है कि वह जन प्रतिनिधियों के समक्ष रेलगाड़ियों के प्रस्ताव के पुलिंदे लेकर जाए और लगातार फॉलोअप करते हुए उनको रेलमंत्री से लगतार मिलने पर मजबूर करें व हमारे मेवाड व वागड के रूट पर नई व उपयोगी रेलगाड़ियों की शुरूआत होने तक दम नहीं लें। इसके लिए कोई मजबूत संगठन व जनता की ओर से बड़ा कैम्पेन भी चलाया जा सकता है।

अभी असारवा रूट पर चल रही है 7 रेलगाडियां चल रही है

उदयपुर असारवा रूट पर अभी कुल 7 रेलगाडियां आवक जावक रही है अर्थात कुल 14 फेरे हो रहे हैं। इसमें पांच तो रोज चल रही है जिसमें कि जयपुर-असारवा इंदौर-असारवा, चित्तौड-असारवा, उदयपुर-असारवा आदि हैं। आगरा से असारवा तक की रेलगाडी स्पेशल गाडी के रूप में 30 जून तक ही होलिडे स्पेशल के नाम से चल रही है। इसी तरह से दो आवक जावक वाली गाडियां कोटा-असारवा है जो बुधवार व शनिवार को चलती हैं। एक साप्ताहिक गाडी कानपुर से असारवा हर मंगलवार को चल रही है।

यह होगा फायदा

गुजरात ने पहले ही अपने सभी ब्रॉड गेज रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है, और यह परियोजना राजस्थान को भी इस लक्ष्य के करीब लाती है। विद्युत इंजन डीजल की तुलना में अधिक ऊर्जा कुशल होते हैं, जिससे परिचालन लागत में लगभग 20-25 प्रतिशत तक की कमी आती है। विद्युतीकरण से कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आएगी, जो भारत के "नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन" लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक है। अब राजस्थान और गुजरात के बीच की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, जिससे दोनों राज्यों के लोगों को यात्रा में सुविधा होगी। विद्युतीकरण प्रणाली में 25 केवी एसी ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन सिस्टम का उपयोग किया गया है। अब इंजन परिवर्तन की आवश्यकता समाप्त हो गई है पहले डीजल से इलेक्ट्रिक इंजन में परिवर्तन की आवश्यकता होती थी। रेलवे की ओर से दावा किया जा रहा है कि इस रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज गति की ट्रेनें चलाए जाने की संभावना है। दक्षिण राजस्थान और उत्तर गुजरात में और ट्रेनों की शुरुआत की जाएगी।

उदयपुर के रोहित सिंह का "अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति कप 2025" में चयन, दिव्यांग प्रीमियम लीग की 'मेक इन इंडिया' टीम में हुए शामिल, 24 से 27 मई तक रायपुर में होगा आयोजन

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। दिव्यांग क्रिकेट के क्षेत्र में उदयपुर के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करते हुए विनय क्रिकेट क्लब के हरफनमौला खिलाड़ी रोहित सिंह सिसोदिया का चयन अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति कप 2025 में हुआ है। यह प्रतियोगिता भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्प्) की इकाई भारतीय दिव्यांग क्रिकेट संघ (ठक्ब्।) द्वारा छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता 24 से 27 मई 2025 तक रायपुर, छत्तीसगढ़ में खेली जाएगी। इस आयोजन की खास बात यह है कि इसे प्च्स् के तर्ज पर तैयार किया गया है जिसमें कुल 6 फ्रेंचाइज़ी टीमें बनाई गई हैंः स्टार्टअप इंडिया, राइजिंग इंडिया, विकसित भारत, डिजिटल इंडिया, विजन इंडिया, मेक इन इंडिया, रोहित सिंह को 'मेक इन इंडिया' टीम में चुना गया है।

रोहित की कड़ी मेहनत का फल

विनय क्रिकेट क्लब के संस्थापक सचिव एवं पूर्व राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी यशवंत पालीवाल ने बताया कि यह उपलब्धि रोहित की निरंतर मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है। वे पिछले चार वर्षों से राजस्थान की दिव्यांग क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और लगातार विनय क्रिकेट क्लब, उदयपुर से जुड़कर क्रिकेट खेलते आ रहे हैं। बी.एन. क्रिकेट अकादमी की प्रवक्ता ममता राठौड़ ने बताया कि रोहित एक दायें हाथ के स्पिन गेंदबाज़ और मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज़ हैं। वे रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी चंद्रपाल सिंह चुंडावत के मार्गदर्शन में नियमित अभ्यास कर रहे हैं। उनका प्रदर्शन जिला स्तर की सीनियर प्रतियोगिताओं में भी सराहनीय रहा है। लगातार अभ्यास और मैचों में शानदार प्रदर्शन के चलते रोहित आज देश के श्रेष्ठ दिव्यांग स्पिन गेंदबाजों में गिने जाते हैं। यही वजह है कि उन्हें इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 'मेक इन इंडिया' टीम का हिस्सा बनने का अवसर मिला है।

रवाना होने से पहले हुआ सम्मान

रोहित सिंह बुधवार को रायपुर के लिए रवाना हो गए हैं। इस अवसर पर बी.एन. क्रिकेट अकादमी, पूर्व क्रिकेटरों, और क्लब के खिलाड़ियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और सम्मानित किया। सभी ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि रोहित इस टूर्नामेंट में भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

उदयपुर संभाग में खुलेंगे 1000 अन्नपूर्णा भंण्डार

अल्प आय वर्ग के परिवारों को उचित दर पर मिलेंगी रोजमर्रा की वस्तुएं

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 22 मई। अल्प आय वर्ग के परिवारों को रोजमर्रा की आवश्यकता का सामान उचित मूल्य पर दिलाने के साथ-साथ उचित मूल्य दुकान दारों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ करने, ग्राम स्तर तक उपभोक्ताओं को अच्छी गुणवत्ता की वस्तुएँ उपलब्ध कराने एवं राजस्थान के उत्पादन कर्ताओं को ग्रामीण स्तर पर बाजार उपलब्ध कराने की मंशा से राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा अनुसार अन्नपूर्णा भंण्डार योजना शुरू की जा रहीं है। योजना के तहत राज्य की 5000 राशन दुकानों पर अन्नपूर्णा भण्डार स्थापित होगें। इस क्रम में उदयपुर संभाग में कुल 1000 अन्नपूर्णा भंण्डार खोले जाएंगे। इसके प्रथम चरण में 250 राशन दुकानों पर यह सुविधा शुरू की जाएगी। जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने बताया कि अन्नपूर्णा भंडार पर कोई भी उपभोक्ता गुणवत्ता पूर्ण सामग्री खरीद सकेगा। इन भण्डारां पर 10 से अधिक रोजमर्रा की वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें खाद्य तेल, दाले, आचार, गुड, बिस्किट, मसाले, साबुन, वॉशिगं पाउडर, माचिस आदि शामिल हैं।

भीलवाड़ा में गोल्ड ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट के नाम पर 1.74 करोड़ की साइबर ठगी, दो आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार, पुलिस ने पीड़ित को लौटाए 48.39 लाख, 60 लाख रुपये होल्ड

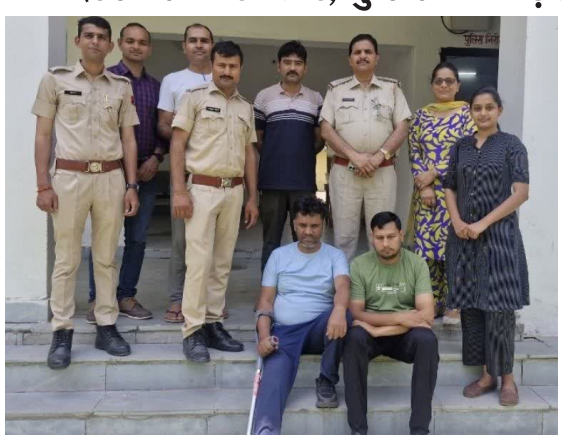

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में गोल्ड ट्रेडिंग इन्वेस्टमेंट स्कीम के नाम पर एक व्यवसायी से की गई 1.74 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में साइबर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दो आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है और अब तक 48.39 लाख रुपये पीड़ित को वापस भी दिलवा दिए गए हैं। साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई भीलवाड़ा एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव ने बताया कि जिले में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए एएसपी पारसमल जैन के निर्देशन में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। मई महीने में एक व्यवसायी से गोल्ड ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर ठगी की गई थी, जिसकी रिपोर्ट साइबर थाना, भीलवाड़ा में प्रकरण संख्या 5/2025 के अंतर्गत धारा 326(2), 318(4), 61(2), BNS एवं 66 IT एक्ट में दर्ज की गई। देशभर में फैला ठगी का जाल जांच के दौरान सामने आया कि देश के कई राज्यों—जैसे कि महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार और तमिलनाडु—में आरोपियों के बैंक खातों के माध्यम से करोड़ों की ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। भीलवाड़ा साइबर पुलिस ने बैंक और नोडल अधिकारियों के सहयोग से त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 60 लाख रुपये विभिन्न खातों में होल्ड करवा दिए हैं। पुलिस ने इस मामले में दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर थाना क्षेत्र से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है—सरताज अली (38 वर्ष), मोहम्मद अख्तर अंसारी (48 वर्ष), प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि ये आरोपी फर्जी कंपनियां बनाकर निवेश योजनाओं के नाम पर लोगों को आकर्षित करते थे और फिर बड़ी रकम की ठगी करते थे। पुलिस के अनुसार आरोपी निवेशकों को झांसा देने के लिए फर्जी वेबसाइट, कस्टमर केयर सपोर्ट, डेमो एप्लिकेशन और झूठे रिटर्न दस्तावेज का सहारा लेते थे। कई बार इन स्कीमों को सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए फैलाया जाता था। जांच जारी, और खुलासों की संभावना भीलवाड़ा साइबर पुलिस का मानना है कि यह एक अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह है, और आने वाले दिनों में कई और मामलों का खुलासा हो सकता है। पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है, जिसमें ठगी में शामिल अन्य लोगों और नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय को मिलेंगे उपकरण, विद्यार्थियों को मिलेगी अध्ययन में सुविधा, पॉलिटेक्निक कॉलेज व ऐपिरोक माइनिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुआ एमओयू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 मई। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जोगी तालाब, उदयपुर में एपिरोक माइनिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के बीच गुरूवार को एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। महाविद्यालय के प्राचार्य सी एस टाक ने बताया कि एमओयू के तहत एपिरोक माइनिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, उदयपुर को सीएसआर के तहत 70 लाख रूप्ए के उपकरण विभिन्न लैबो के उन्नयन के लिए प्रदान करेगी, जिससे महाविद्यालय के विद्यार्थियो को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा। श्री टाक ने बताया कि यह समझौता कॉलेज और उद्योग के बीच एक नए सहयोग की शुरूआत का प्रतीक है। टांक ने कहा कि वर्तमान दौर तकनीकी दक्षता का है। इस साझा पहल से विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीक और उनके उपयोग का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सकेगा, जो उनके व्यावसायिक जीवन में बहुत कारगर सिद्ध होगा। वहीं महाविद्यालय भी तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभा सकेगा। हमें विश्वास है कि यह साझेदारी विद्यार्थियां के लिए नए अवसर लाएगी और उन्हें उद्योग की मांगों के अनुसार तैयार करेंगी। एपिरोक माइनिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि ने कहा कि राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, उदयपुर के साथ सहयोग करने में प्रसन्नता है। विश्वास है कि यह साझेदारी दोनों संगठनों के लिए लाभदायक होगी और विद्यार्थियो को नवीन उपकरणों के व्यावहारिक अनुभव प्रदान करके उनके कौशल और रोजगार क्षमता में वृद्धि करेंगी।

गौरतलब है कि राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, जोगी तालाब, उदयपुर संभाग स्तर का नोडल सेंटर भी है और यहां पूरे राजस्थान से और मुख्यतः उदयपुर व आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रो से विद्यार्थी आते हैं, जिन्हें इस एमओयू से लाभ मिलेगा।

अशोक कुमावत स्मृति संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचन, 14-15 जून को उदयपुर में होगा आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला कबड्डी संघ उदयपुर एवं स्व. अशोक कुमावत मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली स्वर्गीय श्री अशोक कुमावत स्मृति संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचन आज गांधी ग्राउंड स्थित कबड्डी खेल मैदान पर किया गया। इस अवसर पर जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह खनुजा, सचिव मुकेश जैन, कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, आयोजन सचिव जालम चंद जैन, जिला ओलंपिक संघ अध्यक्ष विनोद साहू, तलवारबाजी संघ के बलवीर सिंह दिगपाल, ओलंपिक संघ कोषाध्यक्ष दिलीप सिंह चौहान, कबड्डी कोच कपिल जैन, राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी गोपाल पुरबिया, शोभालाल पुरबिया, संयोजक एडवोकेट भरत कुमावत, तथा पूर्व कबड्डी संघ अध्यक्ष सत्य नारायण सिंह सहित अनेक खेलप्रेमी उपस्थित रहे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता 14-15 जून को संयोजक एडवोकेट भरत कुमावत ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता 14-15 जून 2025 को महाराणा भूपाल स्टेडियम, गांधी ग्राउंड, उदयपुर में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में उदयपुर संभाग की महिला एवं पुरुष वर्ग की टीमें भाग लेंगी। केवल संभाग के मूल निवासी खिलाड़ी ही इसमें भाग लेने के पात्र होंगे। आयोजन सचिव भरत कुमावत ने बताया कि प्रतियोगिता में विजेता टीम को 11,000/- नकद राशि व ट्रॉफी और उपविजेता टीम को 5,100/- नकद राशि व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों के लिए आयोजित की जाएगी।

एंट्री फीस व अंतिम तिथि

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रति टीम 500/- एंट्री फीस निर्धारित की गई है। टीम प्रविष्टियों की अंतिम तिथि 1 जून (रविवार) रखी गई है। इच्छुक टीमें जालम चंद जैन (आयोजन सचिव) व श्याम सुंदर शर्मा (कोषाध्यक्ष) को मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से प्रविष्टियाँ भेज सकती हैं।

मस्कुलर डिस्ट्रोफी से पीड़ित दिव्यांगजन को मिलेगी इलेक्ट्रिक व्हील चेयर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 मई। मुख्यमंत्री बजट घोषणा अन्तर्गत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा मस्कुलर डिस्ट्रोफी से पीड़ितों को चलने की क्षमता प्रदान कर आत्म निर्भर बनाने के लिये इलेक्ट्रिक व्हील चेयर की सहायता प्रदान की जाएगी।

संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि बजट घोषणा के आधार पर विभाग ने आवेदन आमंत्रित किए थे। प्राप्त आवेदन पत्रों में से पात्र आवेदकों का चयन जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा किया गया। उक्त कमेटी द्वारा 46 आवेदकों का चयन कर सूचिया विभाग के निदेशालय विशेष योग्यजन को भेजी गई। विभाग द्वारा 40 इलेक्ट्रिक व्हील चेयर भिजवाई गई हैं। रिकार्ड संधारण के बाद शीघ्र ही इनका वितरण जिले के जन प्रतिनिधीगण के कर कमलों से करवाया जाएगा। ज्ञात रहे इस इलेक्ट्रिक व्हील चेयर की कीमत 70 हजार से एक लाख रूपये तक की है। भटनागर ने बताया कि जिन मस्कुलर डिस्ट्रोफी से पीड़ित 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले प्रमाण पत्र धारक दिव्यांगजन ने आवेदन नहीं किया है वे जिला कार्यालय से आवेदन प्राप्त कर शीघ्र आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

वन मंत्री का औचक निरीक्षण, लापरवाह अधिकारियों को लगाई फटकार, हाजिरी रजिस्टर में हस्ताक्षर नहीं मिलने पर जताई सख्त नाराजगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने शुक्रवार सुबह उदयपुर स्थित सज्जनगढ़ अभयारण्य और बायोलॉजिकल पार्क का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेंजर कार्यालय में मौजूद उपस्थिति रजिस्टर में कई कर्मचारियों के हस्ताक्षर न पाकर मंत्री ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। मंत्री शर्मा ने उपस्थित वाइल्डलाइफ डीएफओ सुनील सिंह और रेंजर प्रभुलाल मीणा से जब इस बारे में पूछताछ की, तो रेंजर ने सफाई दी कि जिन कर्मचारियों के साइन नहीं हैं, वे फिर भी नियमित रूप से ड्यूटी पर आ रहे हैं। इस पर मंत्री और अधिक नाराज हो गए और तीखा सवाल दागा – "ये खुद का घर है क्या, जो मनमर्जी चल रही है? ड्यूटी पर आ रहे हैं तो रजिस्टर में साइन क्यों नहीं कर रहे? ये बहुत गलत बात है।" मंत्री की सख्त प्रतिक्रिया से अधिकारी सकते में आ गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यालयीन अनुशासन से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी कर्मचारियों को समय पर हाजिरी दर्ज करनी होगी।

लॉयन सफारी का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान मंत्री शर्मा ने सज्जनगढ़ में निर्माणाधीन लॉयन सफारी परियोजना का भी जायज़ा लिया। उन्होंने परियोजना के संपूर्ण प्लान की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक पहलू पर विस्तार से चर्चा की। मंत्री शर्मा एक दिन पहले बुधवार को ही उदयपुर पहुंचे थे। उन्होंने यहां आयोजित भू-आधारित दृश्य पुनरुद्धार और जैव विविधता कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भाग लिया और उसी रात उदयपुर में विश्राम किया। शुक्रवार सुबह उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना के सज्जनगढ़ का दौरा किया।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmai.com

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।